AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

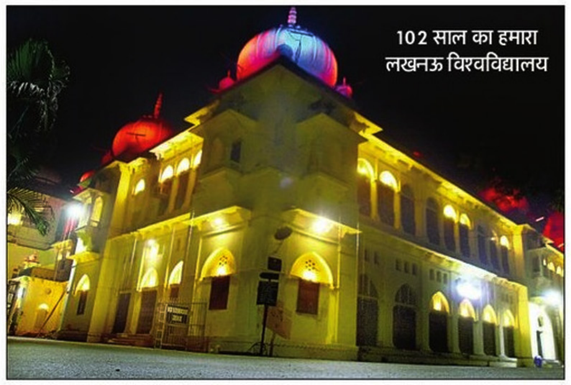


स्थापना दिवस समारोह को लेकर दुल्हन की तरह सजा लखनऊ विश्वविद्यालय। - मनीष वर्मा (संवाद)

## लविवि स्थापना दिवस : आज व कल टैगोर लाइब्रेरी और संग्रहालय सबके लिए खुले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को अपना 102वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इस उपलक्ष्य में लविवि प्रशसन ने टैगोर लाइब्रेरी और विभागों में मौजूद संग्रहालयों को आम लोगों के लिए खोल दिया है। कोई भी 24 और 25 नवंबर को लविवि जाकर इनका अवलोकन कर सकता है। टैगोर लाइब्रेरी अपने आप में भव्य है। यहां पर करीब पौने छह लाख से अधिक किताबें हैं। वहीं ई बुक्स व ई जर्नल्स की भरमार है। इसके अलावा भूगोल, जूलॉजी समेत विभिन्न विभागो में अपने संग्रहालय हैं। आम लोग इनका दो दिन अवलोकन कर सकेंगे और महत्वपूर्ण जानकारी जुटा सकेंगे। वहीं दूसरी तरफ स्थापना दिवस की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। लविवि के भवन को लाइटों से दुल्हन की तरह सजाया गया है। उसकी भव्यता देखते ही बन रही है। बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने स्थापना दिवस की तैयारियां का जायजा लिया। उन्होंने मालवीय सभागार समेत अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। मालवीय सभागार में ही 25 नवंबर को शाम पांच बजे से समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मौजूद रहेंगे। वहीं छह पूर्व विशिष्ट छात्र भी मौजूद रहेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

## मालवीय सभागार तैयार बस आयोजन का इंतजार

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अन्य सदस्यों ने बुधवार को मालवीय सभागार में स्थापना दिवस की तैयारियों का जायजा लिया।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। नमस्कार...लखनऊ विश्वविद्यालय के 102 वें स्थापना दिवस पर ऐतिहासिक मालवीय सभागार में आप सबका स्वागत है। 25 नवम्बर को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में बोली जने वाली ये पांचवां बुधवार को मालवीय सभागार में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में गूंजी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ समारोह की पूरी टीम अंतिम तैयारियों को रूप दे रही थी। कुलपति ने समारोह से जुड़ी बारीक से बारीक चीज का निरीक्षण करने के साथ ही सुधार के कई निर्देश दिए।

आलोकेज मालवीय सभागार में होगा है जो आठ महीने बाद नए रूप में स्थापना दिवस समारोह के लिए खुल रहा है। पंडित मदनमोहन मालवीय की बड़ी सी पेंटिंग मुख्यद्वार पर लगा दी गई है। जिसको आर्ट कॉलेज के छात्रों ने तैयार किया है। समारोह के मिनट ट् मिनट कार्यक्रम के अनुसार कुलपति और टीम ने तैयारियों का जायजा लेते हुए लाइव स्ट्रीमिंग और साउण्ड क्वालिटी की जांच की। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने संचालक के रूप में माइक संभाला और नमस्कार करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। यही बात प्रो. राकेश चन्द्र ने अंग्रेजी भाषा में बोली। सुकुमनंच पर एलईडी स्क्रीन को चलाकर भी देखा गया। डीएसडब्लू प्रो. पूनम टण्डन ने लाइव स्ट्रीमिंग चेक की और बताया कि आवाज साफ नहीं है। जिसके बाद तकनीकी टीम को ठीक कराने के निर्देश दिए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय मौजूद रहेंगे।

**10** 2 वें स्थापना दिवस की तैयारियों का निरीक्षण

### श्रीलंका के छात्र-छात्राएं दिखाएंगे रामकथा

समारोह में भरतनाट्यम नृत्य और वयिला वाद के साथ वाद्य प्रदेश पर कुचिपुड़ि दिखाया जाएगा वहीं दूसरे भाग में श्रीलंका के पांच छात्र-छात्राएं रामकथा नृत्य नाटिका का मंचन करेंगे। 15 मिनट की इस प्रस्तुति में छात्र रामायण के प्रसंग दिखाएंगे।

i-NEXT PAGE 4

## एलयू में जल्द ही शुरू होंगे ऑनलाइन कोर्स

**25 नवंबर को विश्वविद्यालय का 102 वां स्थापना दिवस**

**कुलपति ने कहा कि आगे दूरस्थ शिक्षा देने की भी तैयारी**

LUCKNOW (23 Nov) : लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को अपना 102वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है. गौरवशाली इतिहास को समेटे इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) में ए प्लस प्लस ग्रेड लेकर ऊंची छलांग लगाई है. इसके साथ विश्वविद्यालय स्थापना दिवस का शुभ अवसर है. इसमें 25 प्रतिशत विद्यार्थी स्नातक से परास्नातक या पीएचडी में प्रवेश लेते हैं. करीब 15 फीसद विद्यार्थी सिविल सेवा की तैयारी करते हैं. 20 फीसद बच्चे अन्य सरकारी सेवाओं में जाने की तैयारी करते हैं. 10 से 15 फीसद बच्चे या तो पारिवारिक बिजनेस में जाते हैं या अलग- अलग कारणों से पढ़ाई छोड़ देते हैं. शेष 25 फीसद ऐसे बचते हैं जिन्हें प्लेसमेंट की जरूरत होती है. पिछले कुछ सालों में एक से डेढ़ हजार छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो रहा है. इसे शत-प्रतिशत करने का लक्ष्य बनाया गया है. नैक से ए प्लस प्लस मिलने के बाद कई बड़ी कंपनियां अच्छे पैकेज पर विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दे रही हैं.

**शोध के लिए बढ़ाएंगे संसाधन:** कुलपति के अनुसार, केवल सरकार के ग्रांट से विश्वविद्यालय को चलाना आगे संभव नहीं होगा. इसे देखते हुए विश्वविद्यालय स्तर अपने संसाधन को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है. कई तरह की रिसर्च ग्रांट मिली है. इससे आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता और बेहतर की जाएगी. रिसर्च में यंग फैकल्टी को आगे लाया जाएगा. विश्वविद्यालय में करीब 115 शिक्षकों के रिक्त पद हैं. इन्हें भरने के लिए जल्द ही विज्ञापन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. अन्य गैरशैक्षणिक पदों को भी भरने का लक्ष्य है.

**कैंपस वाई-फाई व खेल की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर**

प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में जो भी बिल्डिंग हैं, सबसे पहले उन्हें ठीक कराया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय को एक सही स्वरूप भी मिलेगा। कैंपस को पूरी तरह से वाईफाई करने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को भी मुफ्त में इसका लाभ मिलेगा। इसके लिए शासन को पत्र लिखा गया है.

**शत-प्रतिशत प्लेसमेंट करने का लक्ष्य**

कुलपति ने बताया कि स्नातक और परास्नातक में नई शिक्षा नीति (एनईपी) पूरी तरह से लागू हो चुकी है. पंचवर्षीय और प्रोफेशनल कोर्स को लगातार सुधारा जा रहा है. विश्वविद्यालय परिसर में करीब सात हजार छात्र-छात्राएं प्रवेश लेते हैं. इसमें 25 प्रतिशत विद्यार्थी स्नातक से परास्नातक या पीएचडी में प्रवेश लेते हैं. करीब 15 फीसद विद्यार्थी सिविल सेवा की तैयारी करते हैं. 20 फीसद बच्चे अन्य सरकारी सेवाओं में जाने की तैयारी करते हैं. 10 से 15 फीसद बच्चे या तो पारिवारिक बिजनेस में जाते हैं या अलग- अलग कारणों से पढ़ाई छोड़ देते हैं. शेष 25 फीसद ऐसे बचते हैं जिन्हें प्लेसमेंट की जरूरत होती है. पिछले कुछ सालों में एक से डेढ़ हजार छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो रहा है. इसे शत-प्रतिशत करने का लक्ष्य बनाया गया है.

भी शुरू करने की योजना है. इसकी मान्यता के लिए यूजीसी साल में एक बार आवेदन निकालती है. इसमें भी आवेदन किया जाएगा.

**विश्व रैंकिंग में बनाएंगे जगह**

प्रो. राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का पूरा ध्यान नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (क्यूएस) की वैश्विक रैंकिंग में सुधार का प्रयास किया जा रहा है. इस दिशा में कोशिश शुरू भी हो गई है.

**शोध को बढ़ाएंगे संसाधन**

कुलपति के अनुसार, केवल सरकार के ग्रांट से विश्वविद्यालय को चलाना आगे संभव नहीं होगा. इसे देखते हुए विश्वविद्यालय स्तर अपने संसाधन को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है. कई तरह की रिसर्च ग्रांट मिली है. इससे आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता और बेहतर की जाएगी. रिसर्च में यंग फैकल्टी को आगे लाया जाएगा. विश्वविद्यालय में करीब 115 शिक्षकों के रिक्त पद हैं. इन्हें भरने के लिए जल्द ही विज्ञापन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. अन्य गैरशैक्षणिक पदों को भी भरने का लक्ष्य है.

**कैंपस वाई-फाई व खेल की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर**

प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में जो भी बिल्डिंग हैं, सबसे पहले उन्हें ठीक कराया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय को एक सही स्वरूप भी मिलेगा। कैंपस को पूरी तरह से वाईफाई करने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को भी मुफ्त में इसका लाभ मिलेगा।

PIONEER PAGE 3

## संविधान की मूल प्रति बनी एलयू की धरोहर

- **1956 में संसद की तरफ से की गयी थी भेंट, आठ प्रतियों में से है एक**
- **26 नवंबर संविधान दिवस पर विशेष**

सतीश सिंह। लखनऊ

**दो दिन** बाद 26 नवंबर को जब देश 73वां संविधान दिवस मना रहा होगा, तब संविधान की मूल प्रतियों के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। आज जिस संविधान से देश चलता है, उस संविधान की मूल प्रति को देखना अपने आप में दिलचस्प है। उस समय संविधान की जो 8 मूल प्रतियां बनी थी, उसमें से एक प्रति लखनऊ विश्वविद्यालय के पास धरोहर के रूप में मौजूद है, जिसे भारतीय संसद ने 1956 में लविवि को उपहार स्वरूप भेंट की थी।

वैसे तो 26 जनवरी 1950 ही वह दिन है, जब भारत का संविधान लागू किया गया था। जिस संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने अपनाया था। भारतीय संविधान की मूल प्रति तो भारतीय संसद में संरक्षित है, जिसे भारतीय संसद की लाइब्रेरी में हीलियम से भरे केस में रखी गई है। उस संविधान की एक मूल प्रति लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में सुरक्षित है। इस प्रति को शीशे के केस में सुरक्षित रखा गया है। वैसे भारत के संविधान की मूल प्रति को शुद्ध सोने से मढ़वाया गया था। लेकिन इसकी प्रति में स्वर्ण तत्व नहीं है, फिर भी यह बिल्कुल मूल के समान है।

**46 लोगों के हस्ताक्षर हिंदी में:** संविधान सभा के कुल 299 में से 284 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को संविधान पर हस्ताक्षर किए। मूल संविधान में दस पेज पर सभी के हस्ताक्षर हैं। मूल प्रति में करीब 46 लोगों के हिंदी में हस्ताक्षर हैं। पहला हिंदी में हस्ताक्षर तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद का है।

**पेन से लिखी गई थी मूल प्रति:** संविधान की मूल प्रति हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हाथ से लिखी गई है। संविधान के प्रत्येक पृष्ठ को कलाकार नंदलाल बोस, भारत के कला पुरस्कार विजेता ने अपनी टीम के साथ चित्रित किया है। पूरे संविधान को अपने हाथों से कागज पर उकेरने वाले दिल्ली के प्रख्यात कैलिग्राफर (सुलेखक) प्रेम बिहारी नारायण रायजादा। जिन्होंने बिना गलती किये संविधान की प्रस्तावना को खूबसूरत तरीके से कलमबद्ध किया। रायजादा ने पेन होल्डर निब से संविधान के हर पन्ने को बहुत ही खूबसूरत इटैलिक अक्षर में लिखा है। संविधान की मूल प्रति के प्रत्येक पृष्ठ को कैलीग्राफ कर फोटोलिथोग्राफिक तकनीक से प्रकाशित किया गया गया। नन्दलाल रायजादा ने इसके विभिन्न पृष्ठों पर भारतीय उपद्वीप प्रागैतिहासिक मोहनजोदाड़ों से लेकर सिन्धु घाटी की सभ्यताओं एवं संस्कृतियों का चित्रण किया है। संविधान को बनाने में दो साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे, लेकिन छह महीने में इसे लिखा गया।

JAGRAN CITY PAGE III

## लखनऊ विश्वविद्यालय में जल्द शुरू होंगे आनलाइन पाठ्यक्रम

लवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को अपना 102वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। गौरवशाली इतिहास को समेटे इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) में ए प्लस प्लस ग्रेड लेकर ऊंची छलांग लगाई है। इसके साथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस इस बार और भी खास हो गया है। विश्वविद्यालय आगे वैश्विक रैंकिंग में जगह बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं पर बात की। उन्होंने बताया कि जल्द ही आनलाइन पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को प्रस्ताव भेजा गया है। नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने से आनलाइन कोर्स शुरू करने की अनुमति स्वतः ही मिल जाएगी। यूजीसी आनलाइन कोर्स की मान्यता के लिए साल में चार बार आवेदन मांगती है। आनलाइन कोर्स के अलावा दूरस्थ शिक्षा के आफलाइन पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। इसमें भी आवेदन किया जाएगा।

**शत-प्रतिशत प्लेसमेंट करने का लक्ष्य:** कुलपति ने बताया कि स्नातक और परास्नातक में नई शिक्षा नीति (एनईपी) पूरी तरह से लागू हो चुकी है। विश्वविद्यालय परिसर में करीब सात हजार छात्र- छात्राएं प्रवेश लेते हैं। इसमें 25 प्रतिशत विद्यार्थी स्नातक से परास्नातक या पीएचडी में प्रवेश लेते हैं। करीब 15 फीसद विद्यार्थी सिविल सेवा की तैयारी करते हैं। 20 फीसद बच्चे अन्य सरकारी सेवाओं में जाने की तैयारी करते हैं। 10 से 15 फीसद बच्चे या तो पारिवारिक बिजनेस में जाते हैं या अलग- अलग कारणों से पढ़ाई छोड़ देते हैं। शेष 25 फीसद ऐसे बचते हैं जिन्हें प्लेसमेंट की जरूरत होती है। पिछले कुछ सालों में एक से डेढ़ हजार छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो रहा है। इसे शत-प्रतिशत करने का लक्ष्य बनाया गया है। नैक से ए प्लस प्लस मिलने के बाद कई बड़ी कंपनियां अच्छे पैकेज पर विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दे रही हैं।

**शोध के लिए बढ़ाएंगे संसाधन:** कुलपति के अनुसार, केवल सरकार के ग्रांट से विश्वविद्यालय को चलाना आगे संभव नहीं होगा। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय स्तर अपने संसाधन को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कई तरह की रिसर्च ग्रांट मिली है। इससे आने वाले समय में शोध की गुणवत्ता और बेहतर की जाएगी। रिसर्च में यंग फैकल्टी को आगे लाया जाएगा। विश्वविद्यालय में करीब 115 शिक्षकों के रिक्त पद हैं। इन्हें भरने के लिए जल्द ही विज्ञापन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अन्य गैरशैक्षणिक पदों को भी भरने का लक्ष्य है।

**कैंपस वाईफाई व खेल की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर:** प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में जो भी बिल्डिंग हैं, सबसे पहले उन्हें ठीक कराया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय को एक सही स्वरूप भी मिलेगा। कैंपस को पूरी तरह से वाईफाई करने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को भी मुफ्त में इसका लाभ मिलेगा।

**स्थापना दिवस पर विशेष**

- 25 नवंबर को विश्वविद्यालय का 102 वां स्थापना दिवस
- कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा- आगे दूरस्थ शिक्षा देने की भी तैयारी

**विश्व रैंकिंग में बनाएंगे जगह**

प्रो. राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का पूरा ध्यान नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (क्यूएस) की वैश्विक रैंकिंग में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। इस दिशा में कोशिश शुरू भी हो गई है।

TOI PAGE 3

## Sri Lankan students to perform Ram Katha on LU foundation day

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Sri Lankan students at Lucknow University (LU) will perform 'Ram Katha' during the university's foundation day celebrations on Friday.

Students will perform Ram Katha through a Sri Lankan dance form known as Kandyan dance. During their performance, they will present Lord Ram and Sita Swayamvar, their arrival to Ayodhya after exile of 14 years and Diwali celebration.

What's more, the dresses have been designed by students themselves taking inspiration from photographs of Lord Ram and Sita and the way both are depicted in mythological serials.

It has been choreographed by MA (Education) student Nritya Nipun Theekshana Liyanage and will be performed by undergraduate and postgraduate students Prabodha Karunannayake, Sithmi Samaranayaka, and Visharadh Ihara Sasmini with other Indian students.

TOI

Students rehearsing for the show

"Kandyan dance encompasses various dance forms popular and native to the area called Kandy of the central hills region known as Udarata in Sri Lanka. It is a classical dance form," said Liyanage.

He said: "We will be depicting various scenes from Ramayana through our dance form to give a message that we equally respect and love all religions and cultures across the globe."

"Earlier, we had performed Kathak during various events held on LU campus. We have been trained in Kathak by Indian teachers," said Visharadh Ihara Sasmini.

Besides this, Sri Lankan students along with Indian students will also perform a patriotic dance.

## In a first, ONGC to visit LU for placement drive

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** For the first time, Oil and Natural Gas Corporation (ONGC), India's largest crude oil and natural gas producer, will visit the Lucknow University (LU) for campus placements on Thursday.

The company will recruit students as graduate trainees.

"Students will be selected after several rounds of screening, including pre-placement talk, PowerPoint presentation and walk-in interviews. This placement drive is being conducted by postgraduate Geology students," said LU faculty Prof Ajay Arya.

Besides tasks in office, the selected students might be asked to collect samples from the field. They will be working as geologists.

Prof Arya said ONGC has already shortlisted around eight students from the Geology department, who will have to undergo the recruitment process. "We are expecting good packages for our students. A salary package of over Rs 20 lakh per annum is expected to be offered by the company," he added.

## कुलपति ने देखीं समारोह की तैयारियां

### लवि के मालवीय सभागार में कल शाम पांच बजे होगा स्थापना दिवस समारोह

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का 102वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मनाया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। कार्यक्रम मालवीय सभागार में शाम पांच बजे से होना है। इसको लेकर बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एल्युमिनाई फाउंडेशन के सदस्यों के साथ वहां का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं। साथ ही व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए कहा।

लवि के स्थापना पर शुक्रवार को छह विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय होंगे। समारोह को भव्य तरीके से मनाए जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन जुटा है। खुद कुलपति तैयारी की लगातार निगरानी कर रहे। बुधवार को मालवीय सभागार में निरीक्षण कर उन्होंने तैयारियां देखीं। यहां एलईडी डिस्प्ले लगाया गया है। कार्यक्रम को लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही। मालवीय सभागार के सामने बने मैदान को भी साफ-सुथरा किया गया है। भवन को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा। विशिष्ट अतिथियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए एक-एक छात्र वालंटियर की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। समारोह में सभी छह पूर्व छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष पर जारी किया गया पोस्टल स्टैम्प फ्रेम करवाकर दिया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मालवीय सभागार में होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारी देखी। ● जागरण

**भरतनाट्यम में देवी स्तुति प्रस्तुत करेंगे छात्र :** डीन एकेडमिक प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि समारोह की शुरुआत भरतनाट्यम में देवी स्तुति से होगी। इसके बाद ग्रुप डांस होगा, जिसमें लवि में पढ़ने वाले श्रीलंका और भारत के विद्यार्थी शामिल होंगे। कवि पंकज प्रसून लवि के इतिहास पर आधारित कविता पाठ करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कवि प्रदीप पर बनी सात मिनट की डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाएगा। भारत की दार्शनिक परंपरा पर आधारित डा. रिचा आर्या नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी। वहीं, छात्र बैंड पर श्रीराम की स्तुति से लेकर आधुनिक गीत प्रस्तुत करेंगे।

**26 को छात्रों से रूबरू होंगे प्रो. अनिल भारद्वाज :** लवि के स्थापना दिवस के दूसरे दिन 26 नवंबर को फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज का व्याख्यान होगा। सुबह 11 बजे से मालवीय सभागार में 'इंडियन प्लेनेटरी एंड स्पेस मिशन' विषय पर होने वाले इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को शामिल होने के लिए कहा गया है।

### आज और कल सभी के लिए खुलेगी टैगोर लाइब्रेरी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 102वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार और शुक्रवार को टैगोर लाइब्रेरी और सभी संग्रहालय आम लोगों के लिए खुले रहेंगे। दोनों दिन कोई भी व्यक्ति लाइब्रेरी की किताबें, आर्ट गैलरी, संग्रहालय में सैकड़ों साल पुरानी यूनीक चीजों को देख सकता है। बुधवार को इसको लेकर सभी तैयारियां कर ली गईं। टैगोर लाइब्रेरी के गेट पर रंग-बिरंगी रंगोली भी बनाई गई। भ्रमण का समय सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक रहेगा। विश्वविद्यालय में टैगोर लाइब्रेरी के साथ-साथ भूगर्भ विभाग में एशिया का 35 हजार साल पुराना और 3.54 मीटर लंबा हाथी दांत, हजारों साल पुराने खनिज, डायनासोर के जीवाश्म, अंडे हैं। एंथ्रोपोलाजी विभाग, जूलाजी विभाग के संग्रहालय भी आकर्षण का केंद्र हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

## स्थापना दिवस पर उच्च शिक्षा मंत्री होंगे मुख्य अतिथि

**लखनऊ ।** लविवि के 102 वी स्थापना दिवस पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि होंगे। लविवि प्रशासन एक और राजनीतिक हस्ती को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनाना चाहता था, गुजरात चुनाव और दिल्ली के एमसीडी चुनाव में व्यस्तता के कारण फैसला टालना पड़ा । कार्यक्रम में विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी, मन कुमार श्रीवास्तव, अनिल भारद्वाज, शशि प्रकाश गोयल, जयंती प्रसाद और आशुतोष शुक्ला सम्मानित किए जाएंगे ।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

## ओएनजीसी आज छात्रों को देगा नौकरी पाने का मौका

वरिष्ठ संवाददाता (VOI)

**लखनऊ।** लविवि को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद पहली बार पब्लिक सेक्टर यूनिट की कोई बड़ी कम्पनी प्लेसमेंट के लिए आ रही है। केंद्र सरकार के नौ रत्नों में शामिल ओएनजीसी गुरुवार को भूगर्भ विभागों के 16 छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार लेगी। विद्यार्थियों को 8 से 23 लाख तक का पैकेज दिया जा सकता है। बीते तीन वर्षों में एलयू का प्लेसमेंट काफी बढ़ाहै लेकिन नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद देश की नामी कम्पनी का भी आना शुरू हो गया है। इससे न सिर्फ प्लेसमेंट बढ़ा है बल्कि वेतन भी अच्छा ऑफर किया रहा है। ओएनजीसी से आने वाले टीम भूगर्भ विभाग के छात्रों के साथ साक्षात्कार करेगी और प्रशिक्षु पद पर चयन किया जा सकता है।

- **लविवि में पहली बार साक्षात्कार के लिए आ रही कंपनी**

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन ओएनजीसी लखनऊ विश्वविद्यालय में अपने स्तर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन करेगा। यह पहली बार होगा कि भारत की सबसे बड़ी कच्ची तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी छात्रों को अपने यहां नौकरी देगा जो उनके योग्य होगा। विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग में के तत्वावधान में ओएनजीसी बिल्डिंग में पीजी लेवल पर अप्लाइड पैट्रोलियम की पढ़ाई होती है। इसके अलावा भूगर्भ विभाग में भी पीजी का कोर्स चलता है। ओएनजीसी की ओर से दोनों ही पीजी लेवल की कोर्स के छात्रों को नौकरी का मौका मिलेगा। बीते दिनों लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए ओएनजीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने खुद ही घोषणा की थी।

बता दें कि बीते दिनों लखनऊ यूनिवर्सिटी को नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिला था। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि नैक ग्रेडिंग के बाद से विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट रिकॉर्ड सुधरेगा। इसी कड़ी में ओएनजीसी की ओर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन करना उसी कड़ी में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।